जेके लक्ष्मी सीमेंट का स्थायित्व की दिशा में एक और मजबूत कदम

दुर्ग मैनुफैक्चरिंग युनिट जल्द ही होगी सीमेंट उद्योग की सबसे ग्रीन युनिट्स में से एक

मुंबई/दुर्ग। अपने अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' के तहत ऊर्जा दक्षता एवं स्थायित्व को बढ़ावा देते हुए भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक जेके लक्ष्मी सीमेंट ने छत्तीसगढ़ स्थित अपनी दुर्ग युनिट के लिए 56 मेगावॉट के सोलर पावर प्लांट की स्थापना हेतु एमप्लस सोलर के साथ एग्रीमेन्ट किया है।

कंपनी हमेशा से कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने की दिशा में प्रयासरत रही है। अपनी इस पहल के साथ जेके लक्ष्मी सीमेंट पहले ही साल ही में 92 मिलियन युनिट्स को हरित विद्युत में बदल देगी, जिससे कार्बन डाई ऑक्साईड उत्सर्जन में 73,000 मीट्रिक टन की कमी आएगी और 33 लाख से अधिक पेड़ों को बचाया जा सकेगा। इस अवसर पर श्रीमति विनीता सिंहानिया, वाईस चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट

लिमिटेड ने कहा, हाल ही के वर्षों में हमने कार्बन फुटप्रिन्ट में कमी लाने के लिए कई परियोजनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में शुरू किया गया हमारा अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करता है। मुझे विश्वास है कि अपने इन प्रयासों के जरिए हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी धरती को हरित बनाने में योगदान दे सकेंगे। इस अवसर पर अरूण शुक्ला, प्रेजीडेन्ट एवं डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा, हम 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के देश के लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देना चाहते हैं। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते हमने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए कई प्रयास किए हैं। पिछले माह, भारत में पहली बार हमने कच्चे माल के परिवहन के लिए एलएनजी ट्रकों की तैनाती की। अब अपने दुर्ग प्लांट में हम सोलर एनर्जी (सौर ऊर्जा) की ओर रूख कर रहे हैं, अब प्लांट में ऊर्जा की 80 फीसदी जरूरत को नवीकरणीय उर्जा के द्वारा पूरा किया जाएगा।

शरद पुंगालिया, सीईओ एवं एमडी, एमप्लस सोलर ने कहा, यह देखकर अच्छा लगता है कि भारत के सीमेंट उद्योग के दिग्गज शून्य-कार्बन सीमेंट के उत्पादन का फैसला ले रहे हैं। जेके लक्ष्मी सीमेंट की यह पहल सेक्टर में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान देगी तथा उद्योग जगत के लिए बेंचमार्क स्थापित करेगी।

जेके लक्ष्मी सीमेंट का स्थायित्व की दिशा में एक और मजबूत कदम

दुर्ग मैनुफैक्चरिंग युनिट जल्द ही होगी सीमेंट उद्योग की सबसे ग्रीन युनिट्स में से एक

नई दिल्ली। अपने अभियान ह्यग्रीन पहल, बेहतर कल के तहत ऊर्जा दक्षता एवं स्थायित्व को बढ़ावा देते हुए भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक जेके लक्ष्मी सीमेंट ने छत्तीसगढ़ स्थित अपनी दुर्ग युनिट के लिए 56 मेगावॉट के सोलर पावर प्लांट की स्थापना हेतु एमप्लस सोलर के साथ एग्रीमेन्ट किया है।कंपनी हमेशा से कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने की दिशा में प्रयासरत रही है। अपनी इस पहल के साथ जेके लक्ष्मी सीमेंट पहले ही साल ही में 92 मिलियन युनिट्स को हरित विद्युत में बदल देगी, जिससे कार्बन डाई ऑक्साईड उत्सर्जन में 73,000 मीट्रिक टन की कमी आएगी और 33 लाख से अधिक पेड़ों को बचाया जा सकेगा।

इस अवसर पर श्रीमति विनीता सिंहानिया, वाईस चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड ने कहा, हाल ही के वर्षों में हमने कार्बन फुटप्रिन्ट में कमी लाने के लिए कई परियोजनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में शुरू किया गया हमारा अभियान ग्रीन

पहल, बेहतर कल ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करता है। मुझे विश्वास है कि अपने इन प्रयासों के जरिए हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी धरती को हरित बनाने में योगदान दे सकेंगे।

इस अवसर पर श्री अरूण शुक्ला, प्रेजीडेन्ट एवं डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा, ह्यह्यहम 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के देश के लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देना चाहते हैं।एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते हमने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए कई प्रयास किए हैं। पिछले माह, भारत में पहली बार हमने कच्चे माल के परिवहन के लिए एलएनजी ट्रकों की तैनाती की। अब अपने दुर्ग प्लांट में हम सोलर एनर्जी (सौर ऊर्जा) की ओर रूख कर रहे हैं, अब प्लांट में ऊर्जा की 80 फीसदी जरूरत को नवीकरणीय उर्जा के द्वारा पूरा किया जाएगा।श्री शरद पुंगालिया, सीईओ एवं एमडी, एमप्लस सोलर ने कहा, ह्यह्ययह देखकर अच्छा लगता है कि भारत के सीमेंट उद्योग के दिग्गज शून्य-कार्बन सीमेंट के उत्पादन का फैसला ले रहे हैं।

जेके लक्ष्मी सीमेंट का स्थायित्व की दिशा में एक और मजबूत कदम

दुर्ग मैनुफैक्चरिंग युनिट जल्द ही होगी सीमेंट उद्योग की सबसे ग्रीन युनिट्स में से एक

56 मेगावॉट क्षमता के ओपन-एक्सेस सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए एमप्लस सोलर के साथ की साझेदारी

युनिट में ऊर्जा की 80 फीसदी आवश्यकता नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी होगी

अपने अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' के तहत ऊर्जा दक्षता एवं स्थायित्व को बढ़ावा देते हुए भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक जेके लक्ष्मी सीमेंट ने छत्तीसगढ़ स्थित अपनी दुर्ग युनिट के लिए 56 मेगावॉट के सोलर पावर प्लांट की स्थापना हेतु एमप्लस सोलर के साथ एग्रीमेन्ट किया है।कंपनी हमेशा से कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने की दिशा में प्रयासरत रही है। अपनी इस पहल के साथ जेके लक्ष्मी सीमेंट पहले ही साल ही में 92 मिलियन युनिट्स को हरित विद्युत में बदल देगी, जिससे कार्बन डाई ऑक्साईड उत्सर्जन में 73,000 मीट्रिक टन की कमी आएगी और 33 लाख से अधिक पेड़ों को बचाया जा सकेगा।इस अवसर पर श्रीमति विनीता सिंहानिया, वाईस चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड ने कहा, ''हाल ही के वर्षों में हमने कार्बन फुटप्रिन्ट में कमी लाने के लिए कई परियोजनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में शुरू किया गया हमारा अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करता है। मुझे विश्वास है कि अपने इन प्रयासों के ज़रिए हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी धरती को हरित बनाने में योगदान दे सकेंगे।'

इस अवसर पर श्री अरूण शुक्ला, प्रेज़ीडेन्ट एवं डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा, ''हम 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन के देश के लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देना चाहते हैं। एक ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते हमने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए कई प्रयास किए हैं। पिछले माह, भारत में पहली बार हमने कच्चे माल के परिवहन के लिए एलएनजी ट्रकों की तैनाती की। अब अपने दुर्ग प्लांट में हम सोलर एनर्जी (सौर ऊर्जा) की ओर रूख कर रहे हैं, अब प्लांट में ऊर्जा की 80 फीसदी ज़रूरत को नवीकरणीय उर्जा के द्वारा पूरा किया जाएगा।'

श्री शरद पुंगालिया, सीईओ एवं एमडी, एमप्लस सोलर ने कहा, ''यह देखकर अच्छा लगता है कि भारत के सीमेंट उद्योग के दिग्गज शून्य-कार्बन सीमेंट के उत्पादन का फैसला ले रहे हैं। जेके लक्ष्मी सीमेंट की यह पहल सेक्टर में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान देगी तथा उद्योग जगत के लिए बेंचमार्क स्थापित करेगी।'समाज के प्रति ज़िम्मेदार कंपनी होने के नाते जेके लक्ष्मी सीमेंट अपने संचालन में ईएसजी नियमों का अनुपालन करती है। कंपनी अपनी सभी गतिविधियों में उपभोक्ताओं और अन्य हितधारकों को सर्वश्रेष्ठ एवं आधुनिक उत्पादों के साथ उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेके लक्ष्मी सीमेंट का स्थायित्व की दिशा में एक और मजबूत कदम; दुर्ग मैनुफैक्चरिंग युनिट जल्द ही होगी सीमेंट उद्योग की सबसे ग्रीन युनिट्स में से एक

रायपुर। अपने अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' के तहत ऊर्जा दक्षता एवं स्थायित्व को बढ़ावा देते हुए भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक जेके लक्ष्मी सीमेंट ने छत्तीसगढ़ स्थित अपनी दुर्ग युनिट के लिए 56 मेगावॉट के सोलर पावर प्लांट की स्थापना हेतु एमप्लस सोलर के साथ एग्रीमेन्ट किया है। कंपनी हमेशा से कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने की दिशा में प्रयासरत रही है। अपनी इस पहल के साथ जेके लक्ष्मी सीमेंट पहले ही साल ही में 92 मिलियन युनिट्स को हरित विद्युत में बदल देगी, जिससे कार्बन डाई ऑक्साईड उत्सर्जन में 73,000 मीट्रिक टन की कमी आएगी और 33 लाख से अधिक पेड़ों को बचाया जा सकेगा। इस अवसर पर श्रीमति विनीता सिंहानिया, वाईस चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड ने कहा, ''हाल ही के वर्षों में हमने कार्बन फुटप्रिन्ट में कमी लाने के लिए कई परियोजनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में शुरू किया गया हमारा अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करता है। मुझे विश्वास है कि अपने इन प्रयासों के ज़रिए हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी धरती को हरित बनाने में योगदान दे सकेंगे।' इस अवसर पर श्री अरूण शुक्ला, प्रेज़ीडेन्ट एवं डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा, ''हम 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन के देश के लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देना चाहते हैं। एक ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते हमने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए कई प्रयास किए हैं।

जेके लक्ष्मी सीमेंट का स्थायित्व की दिशा में एक और मजबूत कदम

दुर्ग मैनुफैक्चरिंग युनिट जल्द ही होगी सीमेंट उद्योग की सबसे ग्रीन युनिट्स में से एक

- 56 मेगावॉट क्षमता के ओपन-एक्सेस सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए एमप्लस सोलर के साथ की साझेदारी
- युनिट में ऊर्जा की 80 फीसदी आवश्यकता नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी होगी

आलाप न्यूज

दुर्ग। अपने अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' के तहत ऊर्जा दक्षता एवं स्थायित्व को बढ़ावा देते हुए भारत के अग्रणी सीमेंट निमार्ताओं में से एक जेके लक्ष्मी सीमेंट ने छत्तीसगढ़ स्थित अपनी दुर्ग युनिट के लिए 56 मेगावॉट के सोलर पावर प्लांट की स्थापना हेतु एमप्लस सोलर के साथ एग्रीमेन्ट किया है।

कंपनी हमेशा से कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने की दिशा में प्रयासरत रही है। अपनी इस पहल के साथ जेके लक्ष्मी सीमेंट पहले ही साल ही में 92 मिलियन युनिट्स को हरित विद्युत में बदल देगी, जिससे कार्बन डाई ऑक्साईड उत्सर्जन में 73,000 मीट्रिक टन की कमी आएगी और 33 लाख से अधिक पेड़ों को बचाया जा सकेगा।

इस अवसर पर श्रीमति विनीता सिंहानिया, वाईस चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड ने कहा, ह्याह्यहाल ही के वर्षों में हमने कार्बन फुटप्रिन्ट में कमी लाने के लिए कई परियोजनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में शुरू किया गया हमारा अभियान 'ग्रीन पहल, बेहतर कल' ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करता है। मुझे विश्वास है कि अपने इन प्रयासों के जरिए हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी धरती को हरित बनाने में योगदान दे सकेंगे।

इस अवसर पर श्री अरूण शुक्ला, प्रेजीडेन्ट एवं डायरेक्टर, जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा, हम 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के देश के लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देना चाहते हैं। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते हमने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए कई प्रयास किए हैं। पिछले माह, भारत में पहली बार हमने कच्चे माल के परिवहन के लिए एलएनजी ट्रकों की तैनाती की। अब अपने दुर्ग प्लांट में हम सोलर एनर्जी (सौर ऊर्जा) की ओर रूख कर रहे हैं, अब प्लांट में ऊर्जा की 80 फीसदी जरूरत को नवीकरणीय उर्जा के द्वारा पूरा किया जाएगा। श्री शरद पुंगालिया, सीईओ एवं एमडी, एमप्लस सोलर ने कहा, यह देखकर अच्छा लगता है कि भारत के सीमेंट उद्योग के दिग्गज शून्य-कार्बन सीमेंट के उत्पादन का फैसला ले रहे हैं।

जेके लक्ष्मी सीमेंट की यह पहल सेक्टर में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान देगी तथा उद्योग जगत के लिए बेंचमार्क स्थापित करेगी।समाज के प्रति जिम्मेदार कंपनी होने के नाते जेके लक्ष्मी सीमेंट अपने संचालन में ईएसजी नियमों का अनुपालन करती है। कंपनी अपनी सभी गतिविधियों में उपभोक्ताओं और अन्य हितधारकों को सर्वश्रेष्ठ एवं आधुनिक उत्पादों के साथ उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

‘Green Pahal, Behtar Kal’ campaign for better energy efficiency

New Delhi, Feb 08:

Continuing its journey towards improving energy efficiency and driving sustainability as part of its “Green Pahal, Behtar Kal” campaign, JK Lakshmi Cement, one of India’s leading cement manufacturers signed an agreement with Amplus Solar to set up a 56 MWp solar power plant for its Durg facility, located in Chhattisgarh.

The company has always been at the forefront and has been working towards reducing its carbon footprint. With this initiative, JK Lakshmi Cement in the very first year will be able to replace 92 million units with green electricity that will help reduce its CO2 emissions by 73,000 Metric Tons, equivalent to over 33 Lakhs tree saved.

Mrs Vinita Singhania, Vice Chairperson & Managing Director, JK Lakshmi Cement Ltd. said, “In recent years, we have undertaken multiple projects to lower the carbon footprint. Our recently initiated campaign, “Green Pahal, Behtar Kal”, focuses on creating awareness about improving energy efficiency and saving the environment. I am sure, we will leave a greener planet for our future generations.”

Being a socially responsible company, JK Lakshmi Cement adheres to ESG norms in its operations. Across all activities, the company remains committed to ensuring value for its customers and other stakeholders, providing best-in-class products that are one step ahead of the innovation curve.